साथी बनेगो म्हारो खाटू वालो धणियो | By Mukesh Bagda

श्याम नाम की चादर ओढ़ी श्याम की पहनी माला
अब काहे का डरना जग से, श्याम मेरा रखवाला

साथी बनेगो म्हारो खाटूवाली धणीयो
भक्तां की गाडी को यो हांकाणियो, म्हारो खाटूवाली धणीयो
साथी बनेगा म्हारो खाटूवाली धणीयो

प्रेम का पकवान म्हारे संवारिये ने भावे जी
प्रेमियाँ का घर में यो छिलका चबावे जी
कर्मा को खीचड़ यो ही खावणियो, म्हारो खाटूवाली धणीयो
साथी बनेगो म्हारो खाटूवाली धणीयो

गज ने उबारयो आके जान बचाई थी
हाथां नै पसार इने द्रौपदी बुलाई थी
साडी को चीर यो बढ़ावणियो, म्हारो खाटूवाली धणीयो
साथी बनेगो म्हारो खाटूवाली धणीयो

श्याम बहादुर ऐ को ध्यान लगायो हो
मोर छड़ी सु झट तालो खुलवायो हो
भगतां की लाज यो बचावणियो, म्हारो खाटूवाली धणीयो
साथी बनेगो म्हारो खाटूवाली धणीयो

हर्ष बुला ले मन से दौड़यो दौड़यो आवेगो
प्रेम सु यो हाथ थारा सर पे फेहरावेगो
भगतां की पत यो ही राखणियो, म्हारो खाटूवाली धणीयो
साथी बनेगो म्हारो खाटूवाली धणीयो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%a5%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a4%a8%e0%a5%87%e0%a4%97%e0%a5%8b-%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%8b-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%b5%e0%a4%be/